

با تو بهار می شود

سراینده
روح الله توسلی منش

انتشارات
آهنگ قلم
زمستان ۱۳۸۹

www.ketab.ir

سرشناسه توسلی منش. روح الله، ۱۳۵۰ -

عنوان و نام پدیدآور با تو بهار می شود / روح الله توسلی منش.

مشخصات نشر مشهد: آهنگ قلم، ۱۳۸۹.

مشخصات ظاهری ۷۲ ص.

شابک ۹۷۸-۶۰۰-۵۴۵۲-۶۰۰۰

وضعیت فهرست نویسی فیبا

موضوع شعر فارسی -- قرن ۱۴

رده بندی کنگره ۱۳۸۹ ۲۵۲۲/۷۹۹۶ PIR

رده بندی دیویی ۶۲/۱۵۸

شماره کتابشناسی ملی ۲۵۲۱۹۱۲

با تو بهار می شود

روح الله توسلی منش

سارا شعبانی

زمستان ۱۳۸۹

اول

رقعہ ۷۲/۱ صفحہ

۱۰۰۰ نسخه

میں

0. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

میشاق،

پاؤں سے

94A-P. : -A2A2- P. -.

Sheng-Yuan

طراحی جلد

تعارف و انتشار

قوت جاپ

قطر

شعبہ عجاز

ح. و فحسني

لیستہ ی افی

حامي

4-2

شماره

١٠٠



آهنگ قلم

ناشر

مشهد/ ص. پ. ۱۳۶۳-۹۱۸۹۵

• 011V7E7F.9 - .91D3YF1P.2

فیشمانی فاشپر

تَلْفَن

وب مسایت

بيست الكترونيكي

www.ahangehghalam.ir

info@ahangehghalam.ir



بهار آمد تا به قانون خودش

تا به قانون دست‌های پیدایش مرا رها سازد:

هم‌چون باران در نسیم

می‌گویم بهار همیشه وجود دارد

می‌گویم بهار جان‌بخش است.

فهرست

- با نوبهار..... ۹
این دنیا را بیشتر می‌خواهم، بیشتر می‌طلبم..... ۱۰
باید بپزد..... ۱۳
خواب..... ۱۴
تو سلامت باش، کافی است مرا..... ۱۵
گویی کوچه همه جاست..... ۱۶
دیوانه مرد..... ۱۸
از هول بی‌تو بودن به زمین افتادم..... ۱۹
سر مست..... ۲۰
افسوس..... ۲۱
مجنون، لیلی..... ۲۳
لیلی و مجنون..... ۲۵
از غبار تا کوه..... ۲۶
بوسه‌های تو..... ۲۷
ترانه آغوش..... ۲۸
دیر آمدی ولی..... ۳۰
اتاق..... ۳۱
سیاهی..... ۳۴
کسی هست..... ۳۵
پنجره..... ۳۶
قطار..... ۳۷
باز قطار..... ۳۹
آغوش..... ۴۰
گونه خیس است..... ۴۱
برف..... ۴۲

| | |
|---------|--|
| ۴۳..... | بهشت و شانه..... |
| ۴۴..... | رسوایی..... |
| ۴۵..... | عبور..... |
| ۴۶..... | تنها، بوسه..... |
| ۴۷..... | شب یلدا..... |
| ۴۹..... | آب در عطش است..... |
| ۵۰..... | بوسه..... |
| ۵۱..... | برای کسی که عاشق است و پاک از معشوقش سرود..... |
| ۵۳..... | دانه‌های درشت برف..... |
| ۵۵..... | هر صبح، ابر..... |
| ۵۷..... | یاس و امید..... |
| ۵۸..... | بیکران تماشا..... |
| ۶۰..... | ای تمام بار..... |
| ۶۱..... | سیاهی شب..... |
| ۶۲..... | اندک..... |
| ۶۳..... | چه کردم؟..... |
| ۶۴..... | از کجا؟..... |
| ۶۵..... | امیدی تازه، شاید..... |
| ۶۶..... | ابتدا، تابناک..... |
| ۶۷..... | آه، گاه و بی‌گاه..... |
| ۶۸..... | پشت پنجره..... |
| ۷۰..... | کوچه و بازار..... |
| ۷۱..... | شعله‌ور..... |
| ۷۲..... | یک..... |

